प्रोफेसर राज कुमार
मानद पुस्तकालयाध्यक्ष
विवेकानन्द केंद्रीय पुस्तकालय
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर -222003 (उ०प्र०)
Mob.: +91-9451160911

Professor Raj Kumar
Honorary Librarian
Vivekanand Central Library
Veer Bahadur Singh Purvanchal
University Jaunpur-222003 (U.P.)
vclvbspu1999@gmail.com

कार्यालय आदेश

पत्रांक: VCL/VBSPU/2026/150 दिनांक: 25 सितंबर 2026
26

सेवा में,

समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, एवं समन्वयक, शैक्षणिक विभाग (विश्वविद्यालय परिसर)/
समस्त प्राचार्य / प्राचार्या, सम्बद्ध महाविद्यालय
वी.बी.एस. पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।

विषय: पीएच. डी. शोध प्रबंध (Thesis) के plagiarism सत्यापन, प्रारूप एवं जमा किए जाने संबंधी अनिवार्य दिशा-निर्देश।

महोदय / महोदया,

उपरोक्त विषय के संदर्भ में मा० कुलपति जी के आदेश दिनांक 26/09/2026 के अनुपालन में विश्वविद्यालय के समस्त शोध निर्देशकों, विभागाध्यक्षों, प्राचार्यों एवं शोध छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि शोध प्रबंध की शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उच्च मानकों को बनाए रखने हेतु विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शोध प्रबंध के Plagiarism सत्यापन तथा सम्बद्ध विभागों/ महाविद्यालयों में शोध प्रबंध जमा किए जाने की प्रक्रिया हेतु निम्नलिखित दिशा-निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू किए जाते हैं:

1. पेन ड्राइव के माध्यम से सॉफ्ट कॉपी जमा करना: शोध छात्र-छात्राएं plagiarism परीक्षण (Turnitin / DrillBit) हेतु अपने शोध प्रबंध की संपूर्ण सॉफ्ट कॉपी पेन ड्राइव में विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में प्रस्तुत करेंगे।
2. अनिवार्य वचन पत्र (Undertaking): सॉफ्ट कॉपी के साथ शोधार्थी द्वारा हस्ताक्षरित एक वचन पत्र जमा किया जाएगा, जिसमें यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित होना चाहिए कि पेन ड्राइव की सॉफ्ट कॉपी का कंटेंट, प्रारूप और कुल पृष्ठ संख्या, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुभाग एवं विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में जमा की जाने वाली अंतिम थीसिस से शत-प्रतिशत मेल खाती है।
3. स्पाइरल-बाउंड कॉपी एवं पृष्ठ संख्या का मिलान: अंतिम रूप से हार्ड बाउंड (Hard Binding) कराने से पूर्व शोध प्रबंध की एक स्पाइरल बाउंड (Spiral Bound) भौतिक प्रति विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में जमा कराई जानी अनिवार्य होगी। यदि Plagiarism Report मानक के अनुरूप (1≤10%) प्राप्त होती है। Plagiarism प्रमाण पत्र पर अंकित क्यूआर कोड (QR Code) तथा स्पाइरल बाउंड कॉपी की कुल पृष्ठ संख्या एवं लेआउट का शत-प्रतिशत मिलान किया जाएगा। यदि पृष्ठ संख्या एवं सामग्री में कोई भिन्नता पाई जाती है, तो शोध प्रबंध स्वीकार नहीं किया जाएगा। Plagiarism Report मानक के अनुरूप प्राप्त होने पर थीसिस की हार्ड बाइंडिंग Plagiarism रिपोर्ट प्राप्त होने के 10 दिनों के अन्दर शैक्षणिक अनुभाग में जमा करनी होगी।
4. मुद्रण प्रारूप (Double-Sided Printing): विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध शोध संबंधी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। शोध प्रबंध के प्रारंभिक भाग (Preliminary Part) को छोड़कर, मुख्य भाग के प्रत्येक पृष्ठ के दोनों ओर (Double-Sided Printing) मुद्रण कराया जाए, जिससे कि कागज, मूल्य और भण्डारण स्थान की बचत हो सके।
5. डिजिटल व्यवस्था एवं प्रेषण: 'डिजिटल इंडिया' एवं 'विकसित भारत' विज़न के अंतर्गत कागजी बर्बादी रोकने हेतु विश्वविद्यालय / विभाग में भौतिक कॉपियों की संख्या सीमित रखी जाएगी। शोधगंगा पोर्टल पर सॉफ्ट कॉपी अपलोड की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार बाह्य परीक्षकों (External Examiners) को मूल्यांकन हेतु थीसिस की सॉफ्ट कॉपी आधिकारिक ई-मेल के माध्यम से प्रेषित की जाएगी।
6. प्रमाण पत्र का निर्गमन: प्लेगयारिज्म सत्यापन रिपोर्ट पुस्तकालय से केवल तभी निर्गत की जाएगी जब सॉफ्ट कॉपी, स्पाइरल बाइंडिंग प्रति और वचन पत्र का पूरी तरह से सफल सत्यापन हो जाएगा।

अत: आप सभी से अनुरोध है कि उक्त निर्देशों से अपने-अपने विभागों / महाविद्यालयों के समस्त शोध निर्देशकों एवं शोधार्थियों को अवगत कराते हुए इनका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

26/09/2026
(राज कुमार)

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित:

1. निजी सचिव, कुलपति कार्यालय (माननीय कुलपति महोदय के सादर अवलोकनार्थ)
2. प्रशासनिक अधिकारी, प्रभारी शैक्षणिक अनुभाग को अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित।
3. वेब मास्टर (विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु)।
4. सम्बंधित पत्रावली

(राज कुमार)